मध्य प्रदेश मे ई-ग्रंथालय प्रशिक्षण का आयोजन

ई-ग्रंथालय परियोजना आधारित तृतीय आवासीय प्रशिक्षण आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा अकादमी, भोपाल, मध्यप्रदेश में दिनांक 06/02/2023 से 08/02/2023 तक आयोजित किया गया। इस दौरान महाविद्यालयों के **46** ग्रंथपाल/नोडल अधिकारियों को **राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र (NIC)** द्वारा ई-ग्रंथालय पर सफलता पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के उदघाटन सत्र में **उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन की** ओर से **प्रो. प्रमोद चतुर्वेदी**, प्रशिक्षण, आईटी एवं लाईब्रेरी प्रभारी, नरोन्हा अकादमी ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि वे शासन की मंशा के अनुरूप लाईब्रेरी ऑटोमेशन के कार्य को गंभीरता से सीखे एवं अपने महाविद्यालय के सभी छात्रों लाभान्वित करें । **श्री कमलेश जोशी**, **अतिरिक्त राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, एनआईसी** ने अपने सम्बोधन मे ई-ग्रंथालय के परियोजना के विस्तृत स्वरूप के बारे में बताया तथा आश्वस्त किया कि लाइब्रेरी ऑटोमेशन को सफल करने में एनआईसी द्वारा हर संभव प्रयास किए जायेंगे।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन **श्री राम कुमार मतोरिया, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक / विभागाध्यक्ष** (ई-ग्रंथालय परियोजना), NIC HQ, के निर्देशन में व **श्री जितेन्द्र पाराशर, समन्वयक, ई-ग्रंथालय एनआईसी मध्य प्रदेश** के संयोजन से सम्पन्न हुआ | इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 माड्यूल् पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए एवं Hand – on Session कराये गए। इस तरह तृतीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मध्य प्रदेश के **उच्च शिक्षा विभाग के OSD श्री धीरेंद्र शुक्ल**, ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण की विषय वस्तु के संबंध में सीधे संवाद करते हुए उनका अभिमत प्राप्त किया तथा आश्वस्त किया कि लाईब्रेरी ऑटोमेशन के लिए उपयुक्त संसाधन की व्यवस्था तथा आगामी शैक्षणिक सत्र में लाइब्रेरी प्रबंधन एवं ऑटोमेशन विषय को जोड़ने तथा इंटर्न्शिप/प्रोजेक्ट मे रखने का प्रावधान करने पर शासन स्तर पर विचार किया जाएगा ।

फीडबेक सत्र मे श्रीमती लीना शाह, लाईब्रेरियन शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन एवं श्रीमति नीता ढिमोले, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर ने प्रशिक्षण उपरांत अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ई-ग्रंथालय क्लाउड बेस्ड एवं मोबाईल बेस्ड होने के कारण ग्रंथपालों एवं छात्रों के लिये बहुत उपयोगी है तथा उनके महाविद्यालयो मे ई-ग्रंथालय क्रियान्वित करने का कार्य प्रारम्भ हो चुका है ।

श्री जितेन्द्र पाराशर, द्वारा ई-ग्रंथालय परियोजना कि प्रगति के संबंध मे जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश राज्य सूचना विज्ञान केन्द्र तथा उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश के बीच प्रदेश के समस्त 528 शासकीय महाविद्यालयों में ई-ग्रंथालय परियोजना के क्रियान्वयन हेतु निष्पादित 5 वर्षीय अनुबंध (MOU) किया गया है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालयों के 10 क्लस्टर तैयार कर दिए गए हैं, जिसमे से 502 महाविद्यालय एवं 11 विश्वविद्यालय कुल 513 के credential तैयार कर संबन्धित को भेज दिये गए हैं ।अभी तक लगभग 170 ग्रंथपालों को आवासीय प्रशिक्षण तथा NAAC मूल्यांकन चयन हेतु 120 महविद्यालयों के ग्रंथपालों को Online प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिसमे से 09 विश्वविद्यालयों एवं 53 महाविद्यालय मे ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर का क्रियान्वयन किया जा चुका है, तथा शेष महाविद्यालय /विश्वविद्यालय भी शीघ्र इस से से जुड़ जाएंगे ।

इस कार्य क्रम कि कुछ झलकियां :-